वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 169 | सोमवार 16 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

11 पंडितों ने किया सामूहिक रूप से नवचंडी पाठ

महायज्ञ में दी श्री दुर्गा सप्तशती के 13 अध्याय और 700 श्लोकों से आहूतियां

जयपुर. कासं। मालवीय नगर सेक्टर-12 स्थित श्री मालेश्वर महादेव मंदिर में रविवार को श्री नवदुर्गा सप्तशती नवचंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया। आचार्य डॉ. लवभूषण के सानिध्य में आयोजित इस महायज्ञ की शुरूआत पूरे विधि-विधान के साथ हुई। करीब दो घंटे से भी अधिक समय तक 11 पंडितों ने सामूहिक रूप से नवचंडी पाठ किया। इसके अलावा 9 हवन यज्ञ कुंडों में हवन किया गया जिसमें श्री दुर्गा सप्तशती के 13 अध्याय और 700 श्लोकों से आहूतियां दी गई। मुख्य हवन कुंड में आचार्य डॉ. लवभूषण ने सपत्नीक यज्ञ की पूर्णाहुति की। इसके अलावा दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां दी। शाम पांच बजे के बाद यज्ञ की पूर्णाहुति के उपरांत सामूहिक आरती हुई। आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। श्रीनवदुर्गा सप्तशती नवचंडी महायज्ञ की महत्ता के बारे में जानकारी देते हुए आचार्य डॉ. लवभूषण ने कहा कि नवचंडी यज्ञ आपको देवी मां का आशीर्वाद प्राप्त करने में सहायता करता है। यदि आपका भाग्य आपके पक्ष में नहीं हैं, तो उन्हें अपने पक्ष में करने हेतु सहायक है। एक बार नवचंडी यज्ञ को पूर्ण विधि सहित करने से यह यज्ञ सबसे अधिक ऊजार्वान और सकारात्मक माहौल बना देता है। नवचंडी यज्ञ हवन एक असाधारण, अतुलनीय और बड़ा यज्ञ है।

रोनू मजूमदार नवाजे गए "लाइफ टाइम अचीवमेंट" अवॉर्ड से

जयपुर. कासं

सुदेश भौंसले के सुपर हिट गीतों ने संगीत प्रेमियों को कराई सुर, लय और ताल की अनूठी अनुभूति

बॉलीवुड और शास्त्रीय संगीत जगत के नामी सितारे सुदेश भौंसले और बंशी बजैया पं. रोनू मजूमदार ने बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में सुर, लय और ताल के साथ साथ भावों का भी अनूठा मंजर रचकर वहां मौजूद सैकड़ों लोगों को ताल से ताल मिलाकर झूमने को मजबूर कर दिया । सुदेश भौंसले ने एक ओर जहां उनके गाए सुपर हिट गीतों से संगीत प्रेमियों को अपना मुरीद बनाया, वहीं रोनू मजूमदार की बंशी की मीठी तान ने लोगों को सात सुरों के समंदर में जमकर गोते लगवाई। सुरों की इस महफिल में युवा पियानो वादक अरिहन्त जैन ने भी अपनी सांगीतिक प्रतिभा के बेहतरीन प्रदर्शन से श्रोताओं की खूब दाद बटोरी। मौका था, सृजन दी स्पार्क संस्था के बैनर पर आयोजित कार्यक्रम का। इस कार्यक्रम के प्रति लोगों की दिलचस्पी का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके चहेते समय से काफी पहले ही कार्यक्रम स्थल पर आ डटे और तीन घंटे तक सभी प्रस्तुतियों का जमकर लुत्फ उठाया।

सुदेश भौंसले के गीतों ने जमाया रंग

सुदेश भोंसले ने मंच पर अपनी तो जैसे तैसे कट जाएगी गीत की धुन पर प्रवेश किया। उन्होंने लोगों का बहुत ही आत्मीय अंदाज में अभिवादन किया और फिर यही गीत सुनाया। उन्होंने इस गीत की धुन पर दर्शकों के बीच जाकर खूबसूरत नृत्य किया और लोगों को भी नचाया। इसे माहौल उत्सवी हो गया। उन्होंने सारा जमाना हसीनों का दीवाना गीत को भी मस्ती भरे अंदाज में सुनाया। इसके बाद मोहम्मद रफी की आवाज में क्या हुआ तेरा वादा को सुनाकर खूब तालियां बटोरी।

रोनू मजूमदार को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

समारोह के दौरान रोनू मजूमदार को संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए इस साल के लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। उन्हें संस्था के चैयरमेन राजेश नवलखा, प्रेसिडेंट सुरेश ढड्ढा और चीफ पेटर्न प्रसन्न खामेसरा ने सम्मान स्वयरूप पचास हजार की नकद राशि, शॉल, स्मृतिचिन्ह आदि भेंट किए गए। इसके बाद सजी संगीत की महफिल ने रोनू ने बांसुरी पर राग हंसध्वनि की प्रस्तुति दी। इसके बाद उन्होंने उनकी कई फिल्मों के गानों में बजाई बांसुरी के पीस बजाये तो पूरा हाल तालियों से गूंज गया' इस कड़ी में उनके बजाये कुछ ना कहो कुछ भी ना कहो, याद आ रही है तेरी याद आ रही है और तेरे लिए पलकों की झालर बुनु आदि ऐसे गीत थे, जिन्हे सुनकर लोग झूम उठे। इस मौके पर संस्था के चेयरमैन राजेश नवलखा और प्रेसीडेंट सुरेश ढड्ढा सहित बड़ी संख्या में सृजन दी स्पार्क के सदस्य और संगीत प्रेमी मौजूद थे।

जयपुर में महाराजा अग्रसेन की जयंती मनाई गई

बैंड-बाजों, जयकारों के साथ निकाली शोभायात्रा; समाज के बुजुर्गों और प्रतिभाओं का किया सम्मान

जयपुर. कासं। अग्रवाल समाज के प्रवर्तक प्रथम पूज्य श्री अग्रसेन महाराज की 5147वीं जयंती रविवार को मनाई गई। अग्रवाल समाज सेवा समिति, टोंक रोड की ओर से तीन दिवसीय महोत्सव का आयोजन हुआ। रविवार को अग्रसेन जयंती के अवसर पर अग्रवाल समाज सेवा समिति जयपुर की ओर से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा शाम 4 बजे अग्रवाल सेवा सदन चांदपोल बाजार से शुरू हुई। जो चांदपोल बाजार के रास्ते होते हुए छोटी चौपड़ त्रिपोलिया गेट बड़ी चौपड़ होते हुए अग्रसेन कटला पहुंचती है। श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव 2023 शोभायात्रा के उपाध्यक्ष पवन गोयल ने बताया- हाथी, ऊंट, घोड़े और बैंड बाजा के साथ शोभायात्रा निकाली गई। इसमें अलग-अलग रथों पर कई संत महात्मा विराजमान हुए। वहीं शोभा यात्रा में 20 से अधिक देवी देवताओं की झांकी भी सजाई गई। इसमें आगे भगवान गणेश, देवी दुर्गा, भगवान विष्णु समेत कई देवता विराजमान हुए। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। 20 से अधिक स्वागत मंच बनाए गए। भगवान श्री अग्रसेन महाराज को 14 फीट के रथ पर सवार किया गया। पूरे रास्ते में भगवान अग्रसेन की आरती उतारी गई। शोभायात्रा में शामिल हो रहे अग्रवाल समाज के लोगों ने गुलाबी कलर के सेफ के साथ नजर आए। वहीं, महिलाएं एक जैसे परिधान में देखने को मिली।

सरस्वती प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज को वियतनाम में मिला समाज सेवा के लिए सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर की प्रसिद्ध फर्म सरस्वती प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज जो 40 साल से बही खाते व प्रिंटिंग व्यवसाय में लगी है उसको वियतनाम की राजधानी हनोई के फाइव स्टार होटल में एंपलॉयर्स एसोसिएशन राजस्थान द्वारा आयोजित 2023 के लिए अवार्ड एक विशाल फंक्शन में दिया गया। इस अवसर पर भारतीय दूतावास के डिप्टी चीफ मिशन सुभाष पी गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर वियतनाम के 100 से अधिक उद्योगपति व्यवसायिक संगठन के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे । यह पुरस्कार मुख्य अतिथि व एंपलॉयर्स एसोसिएशन आफ राजस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार जैन ,मुख्य सलाहकार ए के जैन के द्वारा राजस्थान से गए हुए 45 से अधिक उद्योगपतियों की उपस्थिति में सरस्वती प्रिंटिंग इंडस्ट्रीज के चेयर चेयरमेन बसंत जैन व मैनेजिंग डायरेक्टर निर्मल जैन को उनकी सामाजिक सेवाओं विशेष तौर पर महिलाओं के उत्थान के लिए व उनके व्यावसायिक प्रमोशन , मोटिवेशन देने के लिए दिया गया । पुरस्कार प्राप्त करने पर बसंत जैन ने कहा कि एंपलॉयर्स संगठन का राजस्थान उद्योगों को बढ़ावा देने वह उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए 59 वर्षों से बरसों से कार्य कर रही है वर्तमान में एन के जैन के नेतृत्व में कई नई आयाम स्थापित किए हैं , विदेश की धरती पर पहली बार राजस्थान के उद्योगपतियों को यह सम्मान दिलाया है।

राजकीय चिकित्सालय बेबी किट वितरण

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

सबको प्यार सबकी सेवा जीवों और जीने दो के उद्देश्य से चलने वाली संस्था महावीर इंटरनेशनल संस्था परिवार द्वारा दिनांक 15 अक्टूबर को स्वस्थ बच्चा स्वस्थ जंच्चा स्वस्थ राजस्थान के उद्देश्य से महाराजा अग्रसेन जयंती व नवरात्रा स्थापना के उपलक्ष्य में राजकीय चिकित्सालय में सुबह 9 बजे नवजात शिशुओं को डाक्टर विजय कुमार गुप्ता मेलनर्स आचुकी के सानिध्य में नवजाता शिशुओं को हाईजेनिक मडिकेटेड नवजात शिशुओं को बेबी किट जंच्चा स्वास्थ्य लाभ ले रहे मरीजों को फल बिस्कुट वितरण किए । संस्था के अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल ,सचिव वीर अजित पहाड़ियां, कोषाध्यक्ष वीर सुरेश जैन ,यूथ अध्यक्ष वीर आनन्द सेठी, वीर अशोक अजमेरा, वीर तेजकुमार बड़जात्या, वीर सम्पत बगड़िया, वीर संदीप पान्डया, वीर पियाषू जैन, ललित सैन ने वितरण कर सेवा कार्य किए।

बरगमां में नवरात्र स्थापना पर निकाली कलश यात्रा

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। निकटवर्ती ग्राम बरगमाँ में गांव के नाहरसिंह बाबा पठान बाबा देवस्थान पर नवरात्र स्थापना के उपलक्ष्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें सबसे आगे 21 धर्म ध्वजाओं को लहराते हुए बच्चे चले उनके पीछे बैंड की मधुर धुन पर भक्ति में थिरकती हुई मंगल कलश लिए दो सौ से अधिक महिलाऐं व सैंकडों भक्तगण बाबा के रथ के साथ चल रहे थे। शोभायात्रा में रमनबिहारी महाराज व लहकोर मंदिर के महाराज भी शामिल थे। कलश यात्रा का जगह-जगह पर ग्रामीणों ने स्वागत किया। कलश यात्रा से पूर्व प्रधान कलश व पंचामृत कलशों की बोलियां हुईं जिसमें प्रधान कलश की बोली 21 हजार रुपये में प्रहलाद चतुर्वेदी अध्यापक बरगमाँ ने ली। पंचामृत कलशों की बोलियां झम्मन जाट अध्यापक बरगमाँ, पुष्पेंद्र शर्मा बाबूजी हिण्डौन, राजेश गुप्ता हिण्डौन, श्रवण जांगिड़ बरगमाँ, चन्द्रहंस चौबे अध्यापक बरगमाँ ने ली एवं प्रधान ध्वजा की बोली मोनू चतुर्वेदी बरगमाँ ने ली। नाहरसिंह बाबा पठान बाबा ट्रस्ट द्वारा यह 27 वां नवरात्र महोत्सव मनाया जा रहा है। जिसका दशहरा को समापन होगा। दशहरा की रात को भजन संध्या होगी जिसमें मथुरा, इसरौती, मलौनी आदि क्षेत्रों के गायककार भाग लेंगे।

बुराईयों को त्याग किए बिना जीवन का निर्माण नहीं हो सकता है : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। जब तक मनुष्य अपनी बुराइयों का विसर्जन नहीं कर देता है तब तक उसके जीवन में सुख और शांति नहीं आने वाली है। रविवार को साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने नवरात्रा पर सभी श्रध्दालुओं को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं देतें हुए कहा कि अपने स्वार्थ को छोड़कर जो मनुष्य साधना करता है वह अपने जीवन को पवित्र बनाकर अपनी आत्मा को मोक्ष दिलवा सकता है। बिना त्याग किए जीवन का निर्माण और आत्मा का उध्दार नहीं हो सकता है। साधना ही वह मार्ग है जिससे मनुष्य अपने आप को पहचान और जानकर भीतर मे छिपी गंधगी और बुराईयों और कसायो को वह छोड़ देता है तो अपने जीवन को सुखमय बना सकता है जब तक वो छल-कपट,राग-देवेष,मोह -माया और कयायो का वह परित्याग और विसर्जन नहीं कर देता है तब तक वह कितनी भी साधना और आराधना कर लेवें,उसे साधना का फल प्राप्त नहीं हो सकता है,और नाहि वह अपने जीवन में सुख भोग सकता है।साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि जो त्याग का अर्जन और अपनी बुराइयों का विसर्जन कर देता है ऐसा व्यक्ति ही संसार में अपने जीवन को सफल बना सकता है। जब तक मनुष्य जीवन मे संग्रह करता रहेगा तब तक उसके जीवन मे सुख और शांति नहीं आने वाली है। संग्रह जितना कम करेगा उतना ही जीवन मे आनन्द प्राप्त कर सकता हैं। साहुकारपेट श्रीएस.एस. जैन संघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया कि महासती धर्मप्रभा,साध्वी स्नेह प्रभा कि प्रेरणा से तमिलनाडु युवा जैन कॉन्फ्रेंस ने बच्चों को सुंस्कारवान बनाने केलिए गुडलक त्याग प्रत्याख्यान कार्यक्रम रखा जिसमे चातुर्मास के दौरान सैकड़ों बालक और बालिकाओं ने साध्वी वृंद से प्रतिदिन प्रत्याख्यान के नियम लिए थे।

महावीर इंटरनेशनल रॉयल द्वारा आदिनाथ तीर्थ बलाड़ में पक्षी दाना सेवा

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सबकी सेवा सबको प्यार और जियो और जीने दो के सिद्धांत पर सेवा कार्यों में अग्रणी महावीर इंटरनेशनल रॉयल, ब्यावर द्वारा आज जैन दादावाड़ी में स्थित पक्षी घर में पक्षियों के लिए दाना डाला गया। मनोज रांका ने बताया कि अशोक कुमार कांता पालडेचा परिवार द्वारा महावीर इंटनेशनल रॉयल की प्रेरणा से पक्षियों को मक्की दाना खिलाया गया। प्रदीप मकाना के अनुसार इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष अशोक पालडेचा,दिलीप दक, रवि बोहरा, अशोक रांका, प्रदीप मकाना, मनोज रांका, प्रतीक पदावत, पदम बिनायकिया, रोहित मुथा, अक्षय बिनायकिया, गौतम रांका, हेमेन्द्र छाजेड, आशीष कोठारी, मुकेश लोढ़ा, मनोज हिंगड़, तेजेश डुंगरवाल, दीपक सांखला, सुर्रेन्द्र रांका, दीपक भण्डारी, अंकित रांका, नीता दक, विनय डोसी, मंजू बाफना, रूपा कोठारी, कोमल मेहता, राजलक्ष्मी धारीवाल, अनीता पगारिया, हेमलता नाहर, प्राची पिपाडा, धनेन्द्र डोसी, अशोक कोठारी, मुकेश बाफना, अमित मेहता, संदीप खीचा, जितेन्द्र धारीवाल, कमल पगारिया, रूपचन्द नाहर, सिद्धार्थ पिपाडा, कान्ता पालडेचा, दीपशिखा सखलेचा, विजयलक्ष्मी दक, प्रेमलता आच्छा, अंजना रांका, पूनम मकाना, टीना रांका, विनीता मुथा, पायल रांका, रौशनी छाजेड, निकिता कोठारी, मीनाक्षी डुंगरवाल, नीतू सांखला, रेखा नाहटा, वसंता भण्डारी, सारिका खीचा, अंजली पदावत आदि कई सदस्य उपस्थित रहे।

सूरत में 108 विरा सदस्याओं के जुड़ाव के साथ महावीर इंटरनेशनल वीरा "दृष्टि" केंद्र का हुआ आगाज

अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल जैन ने वीरा 'दृष्टि' शाखा सूरत को दिलाई शपथ

सूरत. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल, सूरत की नवगठित वीरा 'दृष्टि' शाखा सूरत का 13 अक्टूबर 2023 को शपथ ग्रहण कार्यक्रम सूरत के पीपलोद चौक स्थित क्रिस्टल बेंक्वेट हॉल में आयोजित किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि महावीर इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सी ए अनिल जैन, विशिष्ट अतिथि के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर गणपत भंसाली, इंटरनेशनल डायरेक्टर वीर सुरेंद्र मरोठी, वीर संदीप डागी, गुजरात जोन के जोन चेयरमैन वीर विनोद संकलेचा, गवर्निंग काउंसिल मेम्बर वीर संतोष नाहर व महावीर इंटरनेशनल, सूरत की चारों शाखाओं के चेयरमैन व सेक्रेटरी तथा वीर विराएं मौजूद रहे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आगाज मुख्य अतिथि वीर अनिल जैन व विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात मंगलाचरण रूप सर्वमंगलप्रार्थना की गई। मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली से समागत महावीर इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सी ए अनिल जैन ने नव मनोनीत चेयरपर्सन वीरा निशा सेठिया के नेतृत्व में महावीर इंटरनेशनल सूरत वीरा 'दृष्टि' केंद्र से जुड़ी 108 वीराओ को शपथ ग्रहण कार्यक्रम के तहत शपथ दिलवाई। जैन ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान महावीर के बताए आदर्शों को अपनाते हुए जियो और जीने दो' के सिद्धांत पर चलकर ' सबको प्यार सब की सेवा' के सिद्धांतों व आदर्शों का प्रचार और प्रसार कर उन का अनुसरण करना ही हमारा कर्तव्य व दायित्व है। हमे दिखावटी दुनिया की चकाचौंध से दूर रहते हुए मानव व प्राणी मात्र की सेवा करनी है। उन्होंने कहा कि महावीर इंटरनेशनल संगठन के साथ हर जाति, धर्म, सम्प्रदाय व मजहब के सदस्य जुड़ सकते है व इन सभी को वीर विराएं के रूप में जाना जाता हैं। वीर अनिल जैन के उदगारों से सभी वीराओ में एक नई ऊर्जा का का संचार हुआ और सभी ने शपथ ली कि वह सबको प्यार, सब की सेवा व जिओ और जीने दो के सिद्धांतों पर चलकर समाज और देश के हित में कार्य करेंगे। अंत में वीरा दृष्टि की चेयरपर्सन वीरा निशा सेठिया ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि इस संगठन में सभी जाति, धर्म की सेवा भावी महिलाओं का स्वागत है व इस संगठन से जुड़ कर प्राणी मात्र की सेवा में जुटे।

वेद ज्ञान

संतुलित जीवन

जिंदगी का एक लक्ष्य है-संतुलित जीवन जीना। जीवन में सदा अनुकूलता ही रहेगी, यह मानकर नहीं चलना चाहिए। जिंदगी का एक लक्ष्य है-संतुलित जीवन जीना। जीवन में सदा अनुकूलता ही रहेगी, यह मानकर नहीं चलना चाहिए। परिस्थितियां भिन्न-भिन्न होती हैं और आदमी को भिन्न-भिन्न परिस्थितियों का सामना करना होता है। अगर आदमी का मनोबल मजबूत है, स्वभाव शांत है तो वह किसी भी परिस्थिति को शांति के साथ झेलने में समर्थ हो सकता है। आदमी कभी-कभी आक्रोश में आकर कटु शब्दों का प्रयोग कर लेता है, एक शब्द से सामने वाले व्यक्ति को आक्रोश में लाया जा सकता है और एक शब्द से सामने वाले व्यक्ति के आक्रोश को शांत किया जा सकता है। अपने आपको शांत बनाए रखने के लिए और माहौल को सुंदर बनाने के लिए शब्दों पर ध्यान देना चाहिए कि आदमी किस प्रकार के शब्दों का प्रयोग कर रहा है। मेरा मानना है कि एक बात को कड़ाई के साथ भी कहा जा सकता है और उसी बात को शालीनता के साथ भी कहा जा सकता है। कभी-कभी कठोर बात भी यदि विवेकपूर्वक कही जाती है तो वह भी लाभदायी होती है। शब्द का प्रभाव तो होता ही है, किंतु शब्द से ज्यादा उसके अर्थबोध का प्रभाव होता है। इसलिए संतुलन एवं शांत-स्वभाव का बहुत मूल्य है। प्राणी में अनेक प्रकार के भाव होते हैं। उसमें लोभ होता है तो संतोष भी होता है। उसमें परिग्रह की चेतना होती है तो त्याग, संयम की चेतना भी जाग जाती हैं। आसक्ति होती है तो अनासक्ति का भाव भी जाग जाता है। संत के लिए कहा कि वे अहिंसा के पुजारी होते हैं। जो अपने शरीर से, वाणी से और मन से किसी को दुःख नहीं देते, किसी की हिंसा नहीं करते, ऐसे संतों का तो दर्शन ही पापनाशक है। दया आदमी के जीवन का एक गुण होता है। श्रीकृष्ण कहते हैं कि जो आदमी आशा, लालसा से रहित हो जाए, अपने चित्त और आत्मा पर नियंत्रण कर ले, सर्व परिग्रह को त्याग दे, वह साधक शरीर से काम करते हुए भी पापों का बंधन नहीं करता। अगर जीवन में संयम आ गया तो फिर शारीरिक प्रवृत्ति कर्मबंध का कारण नहीं बनती। संयम और दया की चेतना एक संत में ही बल्कि जन-साधारण में भी होनी चाहिए।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट को नैतिक आधार पर बनना पड़ा पक्षकार

कई बार अदालतों के समक्ष कानूनी प्रावधानों के बरक्स नैतिक तकाजे बड़े होकर खड़े हो जाते हैं। संविधान व्यक्ति को जीवन जीने का अधिकार और निर्णय की स्वतंत्रता प्रदान करता है। मगर इसमें अगर कोई ऐसा पक्ष उपस्थित हो जाए, जिसकी पैरवी करने वाला कोई नहीं है, तो उसके अधिकारों की रक्षा का दायित्व आखिरकार अदालत पर आ जाता है। ऐसे में अदालत के लिए व्यक्ति के निर्णय की स्वतंत्रता और जीवन के अधिकार के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं रह जाता। यही हुआ, जब एक महिला ने सर्वोच्च न्यायालय से अपने छब्बीस हफ्ते का गर्भ हटाने की इजाजत मांगी। हालांकि कानून के मुताबिक चौबीस हफ्ते से अधिक समय के भ्रूण के गर्भपात की इजाजत नहीं दी जा सकती। वह ऐसी स्थिति में दी जाती है, जब महिला बलात्कार पीड़िता हो या गर्भ की वजह से उसकी जान को खतरा हो। ताजा मामले में जिस महिला ने गर्भपात की इजाजत मांगी, उसने दलील दी थी कि वह मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान है। वह बच्चे की परवरिश नहीं कर सकती। उसके वकील ने तर्क दिया कि वह इसकी वजह से दो बार खुदकुशी की कोशिश भी कर चुकी है। कानून के मुताबिक यह उस महिला की स्वेच्छा का सवाल है कि बच्चा पैदा करे या न करे। महिला की दलीलों के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने पहले उसे गर्भपात की इजाजत दे दी थी। मगर जब चिकित्सकों ने जांच की, तो पाया कि भ्रूण सांसें ले रहा और स्वस्थ है। गर्भपात का अर्थ है कि भ्रूण की सांसें रोक दी जाएं। अस्पताल की रिपोर्ट को देखते हुए अदालत ने अपना फैसला पलट दिया। मगर महिला का तर्क अपनी जगह कायम रहा। इस पर तीन जजों की पीठ में विचार किया गया। प्रधान न्यायाधीश ने महिला के वकील से पूछा कि अदालत एक जीवित भ्रूण की हत्या का आदेश कैसे दे दे। आखिर अजन्मे को भी जीवन का अधिकार है। उसकी पैरवी करने वाला यहां कोई नहीं है, इसका मतलब यह नहीं कि इससे उसके अधिकार समाप्त हो जाते हैं। आखिर महिला ने जब इतने समय तक अपने गर्भ में भ्रूण को पाला, तो कुछ हफ्ते और पालने में क्या हर्ज है। सात माह के बच्चे को गर्भ से बाहर निकालने का अर्थ है कि मां और शिशु दोनों की सेहत को खतरा पैदा हो सकता है। पैदा होने के बाद शिशु को पालने के बारे में वैकल्पिक व्यवस्था की जा सकती है। गर्भवती महिला के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की एक बार फिर जांच करने को कहा गया है। इसलिए कि अब भी यह प्रश्न बना हुआ है कि महिला और गर्भस्थ शिशु में से किसके जीवन के अधिकार को तरजीह दी जाए। दुनिया के कई देशों में जीवन के अधिकार को बड़ा माना जाता है, तो कई देशों में व्यक्ति की इच्छा को बड़ा माना जाता है। भारत में दोनों को सम्मान दिया जाता है। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय इन दोनों के बीच संतुलन बिठाने की कोशिश में जुटा रहा। यह अपने आप में एक अनोखा मामला है, जिसमें एक अजन्मे शिशु के अधिकारों के लिए सर्वोच्च न्यायालय को नैतिक आधार पर पक्षकार बनना पड़ा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भारत की चिंता

इजराइल पर फिलिस्तीनी उग्रवादी गुट हमास के हमले के बाद अब जो हालात पैदा हुए हैं, उसमें सबसे ज्यादा त्रासदी उस युद्ध क्षेत्र में फंसे आम लोगों को झेलनी पड़ रही है। उनकी जिंदगी लगातार जोखिम में है। स्वाभाविक ही वहां खतरे का सामना कर रहे भारतीयों को लेकर भारत सरकार चिंतित है और उनकी सुरक्षित वापसी की कोशिश कर रही है। इस क्रम में सरकार ने ''आपरेशन अजय'' के जरिए वहां से भारतीयों को देश वापस लाने के लिए विशेष अभियान चलाया है। गौरतलब है कि शुक्रवार को इजराइल से पहली उड़ान भारत आई, जिसमें वहां से दो सौ बारह भारतीय सुरक्षित अपने देश लौटे। एक अनुमान के मुताबिक, फिलहाल इजराइल और फिलिस्तीन के युद्ध क्षेत्र में तब्दील होने की वजह से वहां अठारह हजार से ज्यादा भारतीय फंसे हुए हैं जिनमें ज्यादातर सूचना तकनीक से जुड़े पेशेवर और विद्यार्थी हैं। जिस दिन हमास का हमला हुआ था, उसके बाद हालात जैसे जटिल होते जा रहे हैं, उसमें आने वाले दिनों में कैसी स्थिति होगी, अभी कहना मुश्किल है। इसलिए खुद इजराइल सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वह वहां आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। फिलहाल हमास के अचानक हमले के बाद इजराइल की जैसी प्रतिक्रिया हुई है, उसमें टकराव के और ज्यादा गहराने की स्थिति बन रही है। इसलिए अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भारत की चिंता लाजिमी है। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच टकराव कोई नया नहीं है। खासकर कभी हमास की ओर से अचानक हमले या फिर कभी इजराइली फौज की गतिविधियों की वजह से हालात कई बार बेहद नाजुक हो जाते हैं। मगर हमास का ताजा हमला इस कदर अप्रत्याशित और व्यापक था कि इजराइल को भी इसकी आशंका नहीं थी। यही वजह है कि सुरक्षा के लिए जरूरी चेतावनी समय पर जारी नहीं की जा सकी और बड़े पैमाने पर आम नागरिक भी हमले में मारे गए। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हमास ने जिस वक्त इजराइली सीमा में घुसपैठ कर आतंक मचाना शुरू किया, उस समय आम लोग सालाना जश्न में मशगूल थे। ऐसे में वहां भारतीयों के भी फंस जाने की स्थिति समझी जा सकती है। युद्ध के दौरान यह तय नहीं होता कि एक दूसरे के दुश्मन के रूप में हमला कर रहे पक्ष के हमले का शिकार कौन होंगे। जो देश और संगठन इसमें लिप्त होते हैं, उनका दावा होता है कि वे निर्दोष आम नागरिकों को शिकार नहीं बनाएंगे। लेकिन हकीकत इसके ठीक उलट होती है। बम या मिसाइल दागे जाते हैं तो वे किस रिहाइशी इमारत को तबाह कर देंगे या कितने साधारण लोग मारे जाएंगे, इसका कोई ठिकाना नहीं होता। बल्कि मारे जाने वाले लोगों की संख्या ही दोनों पक्षों की जीत या हार की तस्वीर के रूप में पेश की जाती है। विचित्र है कि अपने पक्ष के आम लोगों के मारे जाने को दोनों ही पक्ष दुनिया के सामने दर्शा कर अपने पक्ष में समर्थन हासिल करने की कोशिश की जाती है। मगर किसी भी पक्ष को इस बात का खयाल रखने की वास्तव में जरूरत नहीं लगती कि उनके हमले में आम रिहाइशी इलाके निशाने पर न आएं। ऐसी स्थिति में अकेला विकल्प यही है कि इजराइल से किसी तरह भारतीयों को सुरक्षित निकाला जाए। यों भारत सरकार के पास इराक, यूक्रेन या अन्य देशों में युद्ध की शुरूआत के बाद अनेक मौकों पर भारतीय लोगों को सुरक्षित वापस लाने का खासा अनुभव रहा है। अब इजराइल से भारतीयों की सुरक्षित वापसी के अभियान को भी उसी की एक कड़ी माना जा सकता है।

महाराजा अग्रसेन की 5147 वीं जयंती पर टोंक रोड अग्रवाल समाज ने निकाली भव्य शोभायात्रा

हुआ वृद्धजनों एवं प्रतिभाओं का सम्मान एवं सामूहिक गोठ

जयपुर. शाबाश इंडिया

अग्रवाल समाज के प्रवर्तक एवं प्रथम पूज्य श्री अग्रसेन महाराज की 5147 वीं जन्मजयंती के अवसर पर अग्रवाल समाज सेवा समिति, टोंक रोड़ द्वारा तीन दिवसीय महोत्सव रविवार को श्री अग्रसेन महाराज की भव्य शोभायात्रा, विशाल सभा और सामूहिक गोठ के साथ संपन्न हुई। रविवार को जयंती के अवसर समिति ने आयोजन में सम्मिलित अतिथियों, वृद्धजनों एवं मेधावियों का सम्मान भी किया। इससे पूर्व प्रातः 6 बजे से टेलीफोन कॉलोनी, शिव मंदिर के सामने से बैंड - बाजों एवं जयकारों के साथ विशाल शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया जो बरकत नगर, महेश नगर होते हुए बैंक कॉलोनी में स्थित श्री अग्रसेन भवन पहुंचकर संपन्न हुई, जहां पर प्रातः 9 बजे अग्रवाल समाज सेवा समिति अध्यक्ष आरडी गुप्ता और समाज के वरिष्ठजनों द्वारा अग्रध्वजारोहण किया गया। शोभायात्रा के दौरान समाजसेवी केके सिंघल, पूर्व महामंत्री मुकेश गुप्ता, श्रीमती रजनी अग्रवाल, दीपक सिंघल सहित समाज के बड़े - बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं और पुरुषों ने भाग लिया। नचाते, गाते और जयकारों के साथ महाराज श्री अग्रसेन की 5147 वीं जयंती धूमधाम से मनाई। प्रचार मंत्री अरविंद अग्रवाल ने बताया की रविवार को महाराज अग्रसेन जयंती का मुख्य आयोजन प्रातः 11 बजे से त्रिवेणी नगर स्थित सामुदायिक केंद्र पर आयोजित किया गया जिसमें समाज समिति से जुड़े 6 हजार से अधिक सदस्यों ने विशाल सभाएं भाग लिया। सभा की शुरूवात श्री अग्रवाल समाज सेवा समिति के सभी 31 पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों और अतिथियों द्वारा दीप प्रवज्जलन कर की गई। इस दौरान समिति द्वारा अतिथियों, वृद्धजनो एवं मेधावीयों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिन्हे अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के के सिंघल ने बताया की श्री अग्रसेन जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह और सामूहिक गोठ के मुख्य अतिथि अशोक सिंघल, विधायक कालीचरण सर्राफ विशिष्ठ अतिथि पवन गोयल (सफारी), ओमप्रकाश गुप्ता, एडवोकेट जीडी बंसल, पूर्व आरएएस आरएस गुप्ता, मुरारी लाल गुप्ता, रामलाल अग्रवाल, संयुक्त अभिभावक संघ राजस्थान प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू इत्यादि रहे इसके अलावा जयपुर व टोंक रोड़ विभिन्न समाजसेवियों ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया और हजारों समाज बंधु भी उपस्थित रहेंगे। समिति के पदाधिकारियों ने समारोह में शामिल समाज के प्रत्येक बंधुओ का स्वागत किया साथ ही आभार भी वक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक गोठ हुई, इसमें भी पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने स्वयं परोसगारी कर समाजबंधुओ का अभिनंदन किया। इसके पश्चात जयपुर अग्रवाल समाज समिति, कटला द्वारा आयोजित शहर की विशाल शोभायात्रा सायं 5 बजे में टोंक रोड़ अग्रवाल समाज बंधुओ ने बड़ी संख्या में चांदपोल पहुंचकर भाग लिया।

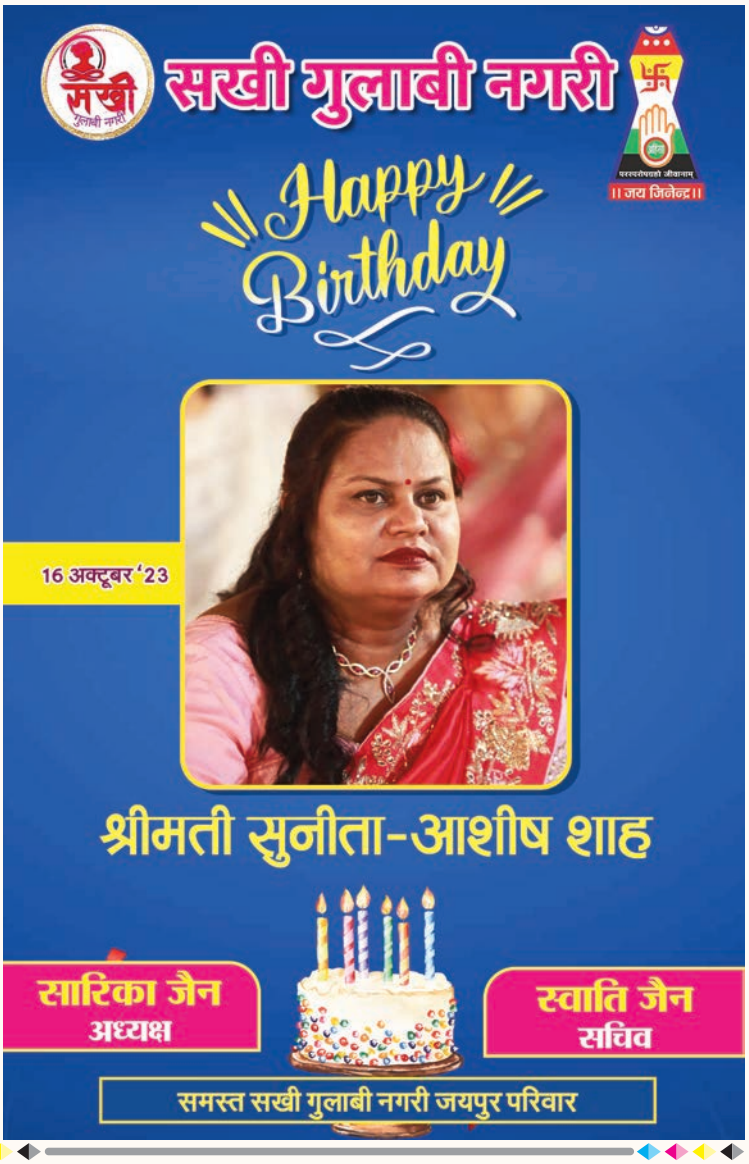

कविता

"नींव के पत्थर"

नींव के पत्थर
कभी बोलते नहीं
अपने किए हुए
कर्मों को पाप पुण्य के
तराजू में तोलते नहीं
वो दबे रहते हैं
युगों युगों तक
भूतल में अविरल अनवरत
और सहते रहते हैं
दाब और संताप
उन अट्टहास करती
हुई इमारतों का
नींव के पत्थर
कभी बोलते नहीं
जिन सिद्धांतों से
नींव के पत्थर की
नींव रखी गई थी।
एक दो मंजिला तक
तो वो सिद्धांत अपने
मूल रूप में रहते हैं ।
वो द्वार ,दीवार,खिड़कियां
और रोशनदान
जिनसे होकर हर ऋतु का
अनुभव हो जाया करता है।
नींव के पत्थरों को,
धीरे-धीरे इमारत की
भव्यता बढ़ती जाती है।
और वह गगनचुंबी हो जाती है।
फिर कहां कंगूरें को
नींव के पत्थर की याद आती है
नींव के पत्थर
कभी बोलते नहीं
अपने किए हुए
कर्मों को पाप पुण्य के
तराजू में तोलते नहीं।

डॉ.कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

अतिशय क्षेत्र गांव नला मे वार्षिक उत्सव का ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ

पूर्व संध्या में जैन भजन संध्या का हुआ आयोजन

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र गांव नला मे आयोजित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव समारोह ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ किया। कार्यक्रम संयोजक विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि वार्षिक उत्सव समारोह का शुभारंभ समाजसेवी विनोद कुमार कुसुमलता जैन अर्पित कुमार राजेश कुमार नरेश कुमार विमल जैन पाटनी जौंला वाला परिवार को ध्वजारोहण करने का सोभाग्य मिला। हेमचंद संधी एवं शिखरचंद काला ने बताया कि रविवार की सुबह गाजेबाजे के साथ जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज शांतिनाथ भवन से धार्मिक मंगल यात्रा रवाना होकर बडा.बाजार बस स्टैंड वैयरहाउस बसन्त विहार कालोनी बायपास नला रोड होते हुए अतिशय क्षेत्र गांव नला पंहुचे जहां नवरत्न टोंग्या पुनित संधी त्रिलोक पांडया मनन दतवास प्रतीक संधी विमल सोगानी महावीर प्रसाद छाबड़ा राकेश संधी यश जैन ने जैन मुनि की अगुवानी की। इस दौरान सभी श्रद्धालुओं ने जैन मुनि के विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भगवान नेमिनाथ की विशेष शांतिधारा अभिषेक करके पूजा अर्चना की गई। जौंला ने बताया कि वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य पर शनिवार को संगीतमय णमोकार महामंत्र एवं जैन भजन संध्या आयोजित की गई जिसमें दुर्गा शंकर एण्ड पार्टी ने मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी।

।। श्रद्धांजलि सभा ।।

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूज्यनीय माताजी
श्रीमती शकुन्तला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गुलशन राय जी जैन का का दिनांक 12-10-2023
को देहावसान हो गया है जिनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिये श्रद्धांजलि सभा रखी गई है ।

समय

दिनांक:16-10-2023
समय: दोपहर 2 बजे
स्थान: तोतुका भवन, भट्टारक जी की नसिया, नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

निवेदक

अजय - शशी (पुत्र-पुत्रवधु)
मधु - नवीन जी (पुत्री - दामाद)
मनोज - सुमन (पुत्र - पुत्रवधु)
संजय - अनीता (पुत्र- पुत्रवधु)
राजीव - सीमा (पुत्र-पुत्रवधु)
नवीन (पुत्र)
आशु मेघा (पोत्र पोत्रवधु)
सोनिया सुनील (पोती -पौतदामाद)
अल्पना -अखिल (पोती -पौतदामाद)
नितिन भावना (नाती -नातीवधु)
संजय जैन
तरुण अग्रवाल
अमित जैन

ईशा -शुभव (नातिन नातिन दामाद)
प्रतीक जोया (पोत्र पोत्रवधु)
सिद्धार्थ अंकिता (पोत्र पोत्रवधु)
सौम्या राहुल दामाद (पोती पोतीदामाद)
प्रिया, पारस, वरदान, संयम, अरिहंत,
नव्य, तन्या, नूपुर, भव्य, अनमोल, वैष्णवी
(पोते- पोती)
जिया अहाना देशना प्रगति शमायरा नितारा
(पड़पोते पड़पोती)

समस्त मैसर्स गुलशन राय जैन परिवार जयपुर

श्री महावीर कॉलेज में "बिजनेस क्विज" का आयोजन

जयपुर

श्री महावीर कॉलेज में शनिवार दिनांक 14 अक्टूबर 2023 को महावीर सभागार में कॉमर्स क्लब द्वारा व्यापार जगत के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु **Business Quiz** का आयोजन किया गया। बिजनेस क्विज में कॉलेज के 33 ग्रुप्स ने भाग लिया। इसके अंतर्गत छात्र छात्राओं को विभिन्न प्रकार के लिखित एवं मौखिक टेस्ट से गुजरना पड़ा। कॉलेज प्राचार्य डा. आशीष गुप्ता ने कहा कि हम विद्यार्थियों के सामान्य एवं विशिष्ट ज्ञान, कौशल एवं योग्यता का परीक्षण एवं मूल्यांकन करने हेतु इस प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन कराते है। प्रतियोगिता पाँच चरणों में आयोजित की गई Business Current Affairs, Tag Lines, . Logo Identification, Identify the Business personalities, Guess the advertisement. इस प्रतियोगिता में बीसीए प्रथम के गर्वित शर्मा, रूपाली कुमावत, मीनल पारीक, कशिश पटेल की टीम प्रथम स्थान पर, बीबीए तृतीय के हिमांशु जानयानी, तानिया सेजवानी, लिपाक्षी वर्मा, आर्यन सर्राफ की टीम द्वितीय स्थान पर तथा बीकॉम प्रथम के अंशुमान पारीक, प्रियांशु अग्रवाल, कामाक्षी ठाकुरिया, आंचल दहिया की टीम तृतीय स्थान पर रही। प्रत्येक विजेता टीम को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। महावीर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश जी काला ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं प्रेषित की।

विवेक विहार निः शुल्क चिकित्सा परामर्श केंद्र का हुआ शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समाज विवेक विहार द्वारा सामाजिक सेवा में पहल करते हुए 15 अक्टूबर, रविवार सुबह समाज के भवन में निशुल्क चिकित्सा परामर्श केंद्र प्रारंभ किया। समाज सचिव नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि जैन भवन में समाज के सभी सदस्यों की उपस्थिति में चिकित्सा परामर्श केंद्र का समाज की वरिष्ठ महिला सदस्य श्रीमती त्रिलोकमती जैन ने विधिवत रूप से समाज के सभी सदस्यों की उपस्थिति में विधिवत उद्घाटन किया । इस अवसर पर डॉक्टर शालिनी का समाज की ओर से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज समाज ने सामाजिक सेवा में एक नई पहल करते हुए पुनीत कार्य को आगे बढ़ाया है। इस चिकित्सा परामर्श केंद्र से सभी समाज के आसपास की कॉलोनी के सदस्यों को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य अरुण पाटनी, नरेंद्र जैन निखार ने भी संबोधित किया। सहसचिव दीपक सेठी, महिला मंडल अध्यक्ष सरला बगड़ा ने चिकित्सा केंद्र में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में सेक्रेटरी सुरेंद्र पाटनी, कोषाध्यक्ष पारस छाबड़ा ने आए हुए सभी समाज के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मंदिर पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी सदस्य, महिला मंडल एवं समाज के सदस्यगण उपस्थित थे ।

भगवान नेमिनाथ का मनाया केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव

राजा बाबू गोधा. शाबाश इंडिया

फागी। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू,नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना के जिनालयों में जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजा बाबू गोधा ने अवगत कराया कि प्रातः कस्बे के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रीजी का अभिषेक शांति धारा के बाद हरकचंद ,दिनेश कुमार, मुकेश कुमार जैन पीपलू वाले परिवार जनों की तरफ से श्रीजी की महा शांति धारा करने का पुण्यार्जन प्राप्त किया, तथा भगवान नेमिनाथ के केवल ज्ञान कल्याण का सामूहिक रूप से भक्ति भाव के द्वारा अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई इसी कड़ी में फागी निवासी रमेश चंद्र, प्रकाश चंद्र, राजेश कुमार लोकेश कुमार ,शुभम जैन बजाज परिवार की तरफ से इलेक्ट्रॉनिक ढोल ,नगाड़ा, घंटी चढ़ाकर पुण्यार्जन प्राप्त किया , कार्यक्रम में समाज के वयोवृद्ध कपूर चंद जैन मांदी, समाजसेवी सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, हेमराज कलवाड़ा, हरकचंद पीपलू,रतन नला, पारस नला, सुरेश जैन मांदी, मोहनलाल सिंघल, राजू नला, विनोद कलवाड़ा, अनिल कठमाना, विनोद मोदी,ललित मांदी , पारस मोदी, त्रिलोक जैन पीपलू, कमलेश चौधरी तथा राजा बाबू गोधा सहित काफी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

भगवान श्री राम ने लिया जन्म

असुरों ने किया विश्वामित्र के यज्ञ का विध्वंस

विराटनगर. शाबाश इंडिया। कस्बा स्थित रामलीला मैदान में शनिवार को श्री अवधेश कला केंद्र राम लीला मंडल के तत्वावधान में 15 दिवसीय लीला मंचन के दौरान भगवान श्री राम के जन्म की लीला दिखाई गई। मंडल के महासचिव मामराज सोलंकी ने बताया कि लीला प्रसंग के दौरान अयोध्या के महाराज दशरथ के तीन रानियां होने के बावजूद उनके चौथेपन में संतान सुख के वियोग में दुखी होने पर उन्होंने गुरु वशिष्ट के पास जाकर अपनी व्यथा सुनाई। जिस पर गुरु वशिष्ठ ने श्रृंगी ऋषि के द्वारा उनके लिए पुत्रेष्ठी यज्ञ संपन्न करवाया तथा उनके बताएं अनुसार यज्ञ की हवी चारों रानियां में वितरित कर ग्रहण करवाया गया। जिस पर माता कौशल्या के चतुर्भुज रूप में भगवान श्री राम ने अवतार लिया। महारानी ने अपना अपयश समझकर चतुर्भुज को बालक रूप में जन्म लेने हेतु प्रार्थना की। जिस पर भगवान विष्णु ने प्रकट होकर कहा कि पूर्व में अपने मनु और शतरूपा के रूप में कठिन तपस्या कर आपका समान पुत्र प्राप्ति की इच्छा प्रकट की थी, इसलिए मैंने इस रूप में जन्म लिया है। भगवान ने बालक रूप में अवतार देकर माता के संशय को दूर किया। इस प्रकार महाराज दशरथ के यहां तीनों रानियों के चार पुत्र राम भरत लक्ष्मण शत्रुघ्न ने जन्म लिया। जन्मोत्सव के बाद गुरु वशिष्ठ ने उनका नामकरण संस्कार किया तथा शिक्षा और दीक्षा दी। वही असुरों असुरों द्वारा मुनि विश्वामित्र के यज्ञ का विध्वंस करने तथा उन्हें सताए जाने पर मुनि विश्वामित्र ने महाराज दशरथ के यहां जाकर उनके दोनों पुत्र राम और लक्ष्मण को राक्षसों का वध करने तथा अपने यज्ञ की रक्षार्थ मांग कर ले आए। इससे पूर्व रावण, कुंभकरण, विभीषण के जन्म की लीला दिखाई गई। लीला मंचन में पवन बरीठ ने दशरथ, प्रदीप शर्मा ने राम, गणेश योगी ने लक्ष्मण, गोपाल शर्मा ने भरत, अनिरुद्ध शर्मा ने शत्रुघ्न, महेश सैनी ने सुमंत, प्रहलाद इंदौरिया ने वशिष्ठ, मुकेश सैनी ने विश्वामित्र, दिनेश मुद्गल ने रावण, रोमेश मिश्रा ने मेघनाथ, का किरदार निभाया।

गुलाबीनगर ग्रुप की दस दिवसीय गिरनार धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर के 20 सदस्यों की गिरनार धार्मिक स्थलों की यात्रा सुनील बज अध्यक्ष व अजय जैन संयोजक के नेतृत्व में 4 अक्टूबर को शुरू होकर 14 अक्टूबर को सम्पन्न हुई। इस यात्रा में सुनील सुमन बज, सुनील मीना काला, चेतन रेखा जैन, प्रवीण उमा सेठी, प्रदीप उषा बज, अशोक कुसुम छाबडा, अजय आभा जैन, राजेन्द्र मंजू कासलीवाल, पूर्णिमा जैन, सरिता सेठी, कुसुम जैन व अन्यों ने धार्मिक यात्रा का आनंद लिया। 10 दिवसीय यात्रा जयपुर से शुरू होकर जहाजपुर, अनिन्दा पार्श्वनाथ, केसरियाजी, नागफणी पार्श्वनाथ, चैतन्य धाम (अहमदाबाद), पावागढ़, सरदार पटेल स्टेचू, घोघा, सोनगढ़, शत्रुंजय (पालीताना), दीव, गिर, सोमनाथ, पोरबंदर, द्वारका, भेंट द्वारका (ओखा), गिरनारजी (नेमीनाथ भगवान), तारंगा, उमता, जीरावाला, पाँवपुरी के मंदिरों के दर्शन करते हुए वापिस जयपुर पहुंचे। विनोद बड़जात्या सचिव ने बताया कि इस यात्रा में प्रतिमाधारी श्रीमती पूर्णिमा जैन ने भी यात्रा की। ग्रुप का 25 अक्टूबर से 03 नवम्बर , 8 रात्रि 9 दिन की बैंकॉक पट्टाया, फुकेत की विदेश यात्रा पदम चंद भावसा व सुशीला बड़जात्या के नेतृत्व में जा रही है।

!!श्रद्धांजलि!!

हमारे क्षेत्र को हमेशा सहयोग देने वाले आदरणीय
राजीव जी जैन (गाजियाबाद) की
परम आदरणीया माताजी

श्रीमती शकुंतला देवी

(धर्मपत्नी स्व. श्री गुलशन राय जी जैन)
के देवलोकगमन पर हम सभी

!! भावभीनी श्रद्धांजलि !!

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

समस्त पदाधिकारी एवं सदस्यगण प्रबन्ध कारिणी कमेटी
श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर

डॉ सुभाष जैन की जन उपयोगी पुस्तक का लोकार्पण

फरीदाबाद. शाबाश इंडिया

अमृता हॉस्पीटल फरीदाबाद के सेमिनार हाल में जन जन को निशुल्क एक्यूप्रेशर की चिकित्सा देने वाले मनीषी डॉ सुभाष जैन की कृति का लोकार्पण हुआ। हॉस्पीटल के प्रशासनिक निदेशक स्वामी निजामृत पुरी जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में पुस्तक का लोकार्पण हुआ। विदुषी श्रीमती नंदा जैन ने संस्था व पुस्तक का परिचय देते हुए बताया कि डॉ साहब विगत 30 वर्षों से सभी को फ्री चिकित्सा व चिकित्सा ज्ञान दे रहे हैं। अब तक 1 लाख उपचार व 20 हजार व्यक्तियों को ज्ञान देने वाले साधक की यह पुस्तक 'एक्युप्रेशर निर्देशिका, जन जन को अपना व अपनों का उपचार करने में सहायक बनेगी। संस्था वर्धमान महावीर सेवा सोसायटी के माध्यम से बहुत सारे सेवा कार्य किए जाते हैं, जिसकी स्थापना डॉ सुभाष जैन जी ने की है। लोकार्पित करने वालों में स्वामी के साथ डॉ सुभाष जैन परिवार, कर्नल गोपाल कृष्ण, इंजीनियर अरुण कुमार जैन, एम एल जैन, दिनेश जैन, अनिल स्वामी, स्वामिनी जी, डॉ राकेश चक्र, प्रमोद जैन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जैन इंजीनियरिंग सोसाइटी, अमृता हॉस्पिटल, जैन सोसाइटी व वर्धमान महावीर सेवा सोसाइटी के सदस्य उपस्थित थे। स्वामी जी ने डॉ सुभाष जी को बधाई दी व सभी को उनके गुणों का अनुकरण करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के पश्चात जलपान की सुन्दर व्यवस्था थी। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर अरुण कुमार जैन ने किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन नवयुवक मंडल राधा निकुंज की धार्मिक बस यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रथम नवरात्रा पर जैन नवयुवक मंडल राधा निकुंज की बस यात्रा सुबह 6:30 बजे शुरू होकर यात्रा अतिशय क्षेत्र मोजमाबाद पहुंची वहां पर सभी श्रद्धालुओं ने अभिषेक शांति धारा व भक्तामर विधान पूजन किया। रवि रांवका ने बताया कि उसके पश्चात रवाना होकर यात्रा चोरू पहुंची, वहां पर युवा मंडल सदस्य अरुण कासलीवाल ने यात्रा का स्वागत किया। उसके पश्चात यात्रा गुणस्थली चकवाडा पहुंची वहां से अंतिम पड़ाव माधोराजपुरा पहुंचे सभी ने दर्शन कर अपने आप को धन्य किया।

जैन संत सुयश सागर जी के दीक्षा जयंती पर नाट्य मंचन

कोडरमा, झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

'गुरु गौरव गाथा जीत का सुयश' नाट्य मंचन के द्वारा झुमरीतिलैया में चातुर्मास कर रहे जैन संत सुयश सागर जी के आज तक के संपूर्ण जीवन परिचय को दिखाया गया। पूज्य जैन संत सुयश सागर जी के दीक्षा जयंती पर रात्रि में उनके बचपन से गृहस्थ अवस्था सेमुनि अवस्था तक के जीवन चरित्र को समाज के बच्चे युवक युवतियों ने नाट्य मंचन के द्वारा सजीव रूप में प्रस्तुत किया। श्री दिगम्बर जैन समाज झुमरीतिलैया कोडरमा, झारखण्ड सुयश वर्षा योग समिति 2023 के सानिध्य में परम पूज्य चर्या शिरोमणी आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य श्रमण मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से प्रथम बार जैन संत मुनि सुयश सागर महाराज ग्रहस्थ जीवन के जितेश भैया से जैन संत कैसे बने उनके जीवन की गाथा पर एक गुरु गौरव गाथा का मंचन महावन्दना ग्रुप के निर्देशन में किया गया जिसमें दुर्ग में जन्मे जितेश भैया शुरू से ही धार्मिक स्वभाव के थे उनको किसी का दुख नही देखा जाता था 14 वर्ष की आयु से ही मंदिर और समाज सेवा में लगे रहते थे 1997 में आयरिका 105 पूर्णमति माता जी से 5 वर्ष का ब्रह्मचर्य नियम लेकर संयम मार्ग पर बढ़ गए ।उसके बाद धीरे धीरे संयम की ओर बढ़ते हुवे 2007 में आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी मुनिराज के साथ पैदल साथ मे चलते हुवे सम्मेदशिखर जी पहुंचे और तीर्थराज सम्मेदशिखर जी की दर्शन करते हुए उनके मन में वैराग्य उमड़ गया । उसके पश्चात यहां से सीधे अपने गुरु विशुद्ध सागर जी महाराज के चरणों में अशोकनगर पहुंचकर दीक्षा देने का निवेदन किया गुरुदेव ने उनको संबोधन करते हुए कहा जैन संत बनना कोई हंसी खेल नहीं है यहाँ सब कुछ छोड़ना ही छोड़ना है एक समय विधि मिलने पर भोजन करना है पूरा भारत पैदल घूमना है कभी स्नान नहीं करना है और अपने हाथों से बालो को हटाने की क्रिया करना पड़ेगा और आहार में अंतराय का विशेष ध्यान रखना पड़ता है और गृहस्थ जीवन के पूरे परिवार से नाता नहीं रखता है अब आपका परिवार पूरा भारत हो जाएगा और अब आपको सबके जन जन की कल्याण की भावना ओर अपना कल्याण धर्म कार्य के लिए समर्पित कर देना होगा आप तैयार हो तो दीक्षा दी जाएगी लेकिन जितेश भैया के मन में वैराग्य कूट-कूट कर भर गया था उन्होंने कहा मुझे जैन संत बनकर मोक्ष मार्ग की ओर जाना है ओर अपना कल्याण करना है। जितेश भैया ने दीक्षा के लिए गुरु चरणों मे श्रीफल चढ़ाया। गुरुदेव ने जितेश भैया के पिता त्रिलोक चंद माता मंजू देवी बाकलीवाल परिवार को बुलाया गया ओर पूछा कि इनको दीक्षा दी जाए तो पिताजी ने कहा की गुरुदेव ये बचपन से ही बहुत ही शांत और धर्म के प्रति समर्पित है ये दिन का अधिकतर समय मंदिर में ब्यतीत करता है और दुर्ग नगरी या आस पास भी कोई भी जैन संत आते थे तो ये जितेश दिनभर गुरु की सेवा में लगा रहता था इसका वैराग्य की प्रबल भाव है इसलिए इसको दीक्षा देने की विनती करता हु ।इस तरह पूरे परिवार की स्वीकृति मिलने के बाद और अशोक नगर मध्य प्रदेश में उनको 14 अक्टूबर 2009 में मुनि दीक्षा देकर जितेश भैया का नाम मुनि सुयश सागर जी दिया गया। मुनि सुयश सागर जी 14 वर्षों से गुरुदेव आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी का आशीर्वाद से जन जन का कल्याण कर रहे हैं इस वर्ष झुमरीतिलैया नगरी को मंगल आशीर्वाद मिल रहा है।आज से विश्व शांति महायज्ञ 8 दिवसीय 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान मुनि श्री के सानिध्य में प्रारंभ हुआ। इस गुरु गौरव गाथा का मंचन में विशेष रूप से लोकेश पाटोदी, दीपाली पाटौदी, सुमित सेठी, रौनक कासलीवाल, राजीव छाबडा, मनीष गंगवाल, पं. अभिषेक जैन शास्त्री, कुणाल ठोल्या, संजय छाबड़ा, अमित गंगवाल, अमित सेठी, संजय ठोल्या, ईशान सेठी, प्रशम सेठी, ईशान कासलीवाल, पियूष कासलीवाल, ऋषभ काला, सिद्धांत सेठी, अंकित ठोल्या,मयंक गंगवाल, आदि ने सहयोग दिया और विशेष रूप से कलाकार मोहित सोगानी,अतिवीर ठोल्या, आदि लगभग 40 कलाकार ने इस नाटक का मंचन किया,समाज के उपाध्यक्ष कमल सेठी, मंत्री ललित सेठी,राज छाबडा, कोषाध्यक्ष सुरेन्द काला, सुनीता सेठी, ममता सेठी,दिलीप बाकलीवाल, वार्ड पार्षद पिंकी जैन,मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा, नविन जैन ने सभी कलाकारों को बधाई दी।

जयपुर से पदयात्रा पहुंची श्री महावीरजी

पदयात्रियों ने जुलूस के रुप में नाचते-गाते किये भगवान महावीर के दर्शन

श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में मंगलवार,10 अक्टूबर को संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं संयोजक सुशील जैन के नेतृत्व में संघीजी की नसिया खानिया से रवाना हुई जयपुर से श्री महावीरजी की 37वीं पदयात्रा रविवार, 15 अक्टूबर को श्री महावीर जी पहुची। पदयात्री चांदनगॉव से जुलूस के रुप में रवाना होकर नाचते गाते बैंडबाजो के साथ मुख्य मंदिर पहुचे जहां भगवान महावीर के सामूहिक दर्शन किये। इससे पूर्व कटले के मुख्य द्वार पर स्थानीय जैन समाज तथा दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र प्रबन्धकारिणी समिति की ओर से मैनेजर नेमी चन्द पाटनी व अन्य कार्मिकों ने पदयात्रियों के केसर का तिलक व माल्यार्पण कर भव्य स्वागत करते हुए पदयात्रा की अगवानी की। पदयात्रा संघ के प्रचार प्रभारी विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि "**ओम श्री महावीराय नमः**" के सामूहिक जयघोष लगाते हुए पदयात्रियों ने भगवान महावीर के चरणों में अर्घ्य समर्पित करने के बाद कटला प्रांगण में विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए पूर्व संयोजक सूर्य प्रकाश छाबड़ा के निर्देशन में मंगल वन्दना की गई। तत्पश्चात आयोजित सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम में पदयात्रा के दौरान हुई त्रुटियों एवं तकलीफों के लिए संघ की ओर से संरक्षक सुभाष चन्द जैन व अन्य पदाधिकारियों ने क्षमा याचना की। दोपहर 12.15 बजे से सौधर्म इन्द्र - इन्द्राणी सुशील - कामिनी जैन के नेतृत्व में साजो के साथ मंदिर प्रांगण में शांति विधान पूजा का आयोजन किया गया। दोपहर में 3.00 बजे से कटला प्रांगण में संघ की ओर से धार्मिक ज्ञान प्रकाश प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण के बाद पदयात्री सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कैलाश चन्द - तारा देवी जैन, विशिष्ट अतिथि अनिल - निशा जैन, अजय - मंजू जैन एवं धवल - उर्वशी जैन थे। मैना बाकलीवाल द्वारा मंगलाचरण तेरी कृपा से गुरु जग उजियारा प्रस्तुत किया। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। मंच संचालन सूर्य प्रकाश छाबड़ा, विनोद जैन कोटखावदा ने किया। पूर्व संयोजक कुंथी लाल रावकां, निर्मल सोगानी, सुरेश ठोलिया, प्रकाश गंगवाल, मैना बाकलीवाल, मनीष लुहाडिया, राजेन्द्र जैन मोजमाबाद, राज कुमार बडजात्या, विनोद जैन कोटखावदा, देवेन्द्र गिरधरवाल, जिनेन्द्र जैन, पवन जैन आदि ने पदयात्रियों के तिलक, माल्यार्पण किया। इस मौके पर दशलक्षण महापर्व के दौरान दस दिनों के उपवास करने वाले पदयात्री सुलोचना जैन, अंजना काला, योगेश जैन तथा रत्नत्रय तेला करने वाले सुधीर जैन एवं पदयात्रा मार्ग में णमोकार महामंत्र की सबसे ज्यादा माला फेरने वाली मोना जैन, किरण जैन को भी सम्मानित किया गया। संघ की ओर से इस मौके पर संरक्षक सुभाष चन्द जैन ने पदयात्रा संघ की आगामी वर्ष के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई तथा संयोजक सुशील जैन ने पदयात्रियों एवं सभी सहयोगियों का धन्यवाद व आभार प्रकट किया। सायंकाल भगवान महावीर की संगीतमय आरती व भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। तत्पश्चात पदयात्री बसों द्वारा जयपुर के लिए प्रस्थान कर गये। पदयात्रा में महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल हुई।

अमृत सुधा कला उत्सव का आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया

निर्यापक मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य एवं श्रीमती पुष्पा पांड्या के कुशल निर्देशक में 13 अक्टूबर से आगरा के हरीपर्वत स्थित एमडी जैन इंटर कॉलेज में अमृत सुधा कला उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें चित्रकार अपने चित्र में मंदिर की अदभुत छटा बिखेर रहा है तो किसी ने गुरू दर्शन की स्मृति में रंग भर दिया। उत्सव में देश प्रसिद्ध चित्रकार भाग ले रहे हैं। आध्यात्म, धर्म और जैन सांस्कृतिक वैभव को अदभुत दृश्य इन दिनों आगरा के एमडी जैन कॉलेज में देखने को मिल रहा है।

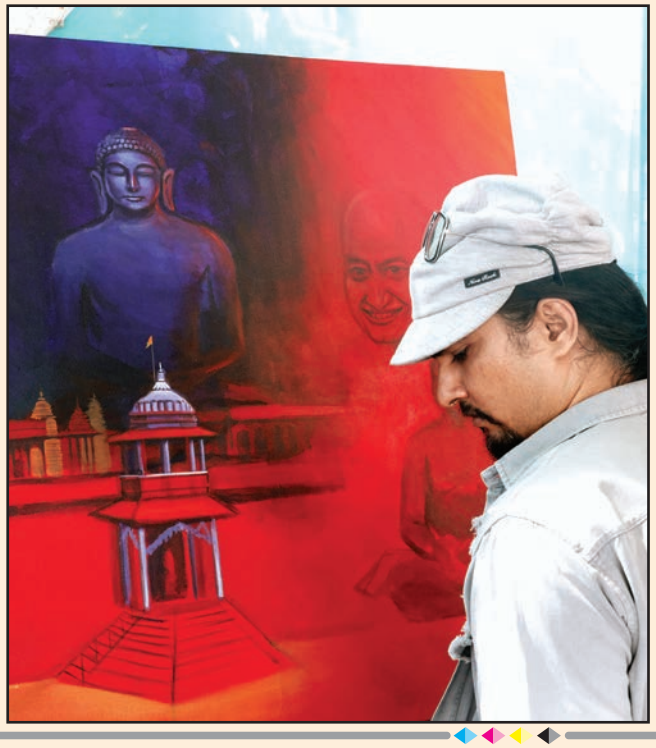

"एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत में आयोजित हुआ जैन राजनैतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय अधिवेशन

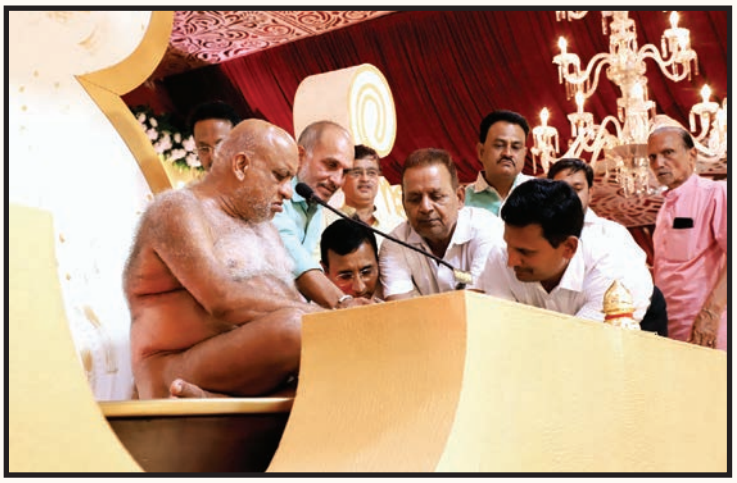

आगरा. शाबाश इंडिया

जैन समाज की राजनीति में निरंतर घटती जा रही समाज की भागीदारी को लेकर दिनांक 15 अक्टूबर 2023 को जैन राजनीतिक चेतना मंच का राष्ट्रीय अधिवेशन मुनि श्री सुधा सागर महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में एमडी जैन इंटर कॉलेज हरीपर्वत पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें देश के अनेक राज्यों से काफी संख्या में महिला पुरुष व युवा वर्ग उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुनि श्री सुधा सागर महाराज में अपने उद्बोधन में कहा कि आज जैन समाज को राजनीतिक क्षेत्र में आने की अति आवश्यकता है। जिससे कि हमारे तीर्थ क्षेत्र की रक्षा, साधुओं का बिहार, सुरक्षित तरीके से हो सके । जिस तरीके से समाज में आज राजनीति का अभाव है उसे समाज को पूरा करना चाहिए। आज प्रत्येक घर में से कोई विधायक या सांसद ना निकले, लेकिन राजनीतिक क्षेत्र में एक नेता जरूर होना चाहिए। जिससे कि समाज का नेतृत्व राजनीतिक पार्टियों में हमेशा बना रहेगा। मुनिश्री ने कहा कि जो भी राजनीतिक पार्टी समाज को तबज्जू ना दे समाज एकजुट होकर अपने निर्दलीय प्रत्याशी को चुनाव लड़वाएं। अगर हमारा प्रत्याशी जीत नहीं सकता है, तो हारने की तो ताकत रखेगा। हमारी संख्या कितनी भी हो हमें प्रत्येक घर में एक-एक बच्चे को 18 साल के बाद वोटर बनाने का काम अवश्य करना चाहिए। जिससे हमारी संख्या बढ़ेगी समाज को राजनीति के अलावा सामाजिक क्षेत्र में भी अपने कार्य करने चाहिए। क्योंकि आपकी कार्य ही आपको राजनीति में ला सकते हैं। पार्टियों आपके घर पर चलकर आएंगे और आपको टिकट देगी। जैन राजनीतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल ने बताया कि इस अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य देश की राजनीति में जैन समाज की अनदेखी, जैन तीर्थ क्षेत्र पर हो रहे अतिक्रमण व कब्जा को लेकर देश के संपूर्ण जैन समाज में काफी गुस्से का माहौल है। जिसका इस मंच से हम विरोध करते हैं। सरकारों को हमारी बात माननी होगी जैन समाज अगर भगवान महावीर के संदेश अहिंसा का पालन करता है तो अपने क्षेत्र को बचाने के लिए वह किसी भी स्तर तक जा सकता है। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चंद्रराज जैन सिंघवी ने बताया कि इस राष्ट्रीय अधिवेशन के माध्यम से जैन समाज को जागृत करने ओर संगठित ओर राजनीति में शक्ति की पुनर्स्थापना के लिए जैन राजनीतिक चेतना मंच की स्थापना की गई है। जैन समाज के सभी पंथ संप्रदाय का शीर्ष नेत्रत्व सामूहिक रूप से अगामी चुनाव में समाज की भूमिका पर दूरगामी प्रभाव बाले निर्णय लेने जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ,नीति आयोग की सदस्य अर्चना, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष हुकुम काका, विधायक अनिल जैन, झारखंड दिगम्बर जैन न्यास के अध्यक्ष राज्यमंत्री तारा चंद जैन,सहित विभिन्न प्रदेशों के अध्यक्ष महामंत्री सहित प्रमुख उद्योगपति ओर गणमान्य विभूतियाँ संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री ललित जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान बाहर से आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से संभाग संयोजक पुष्पेंद्र जैन, जिला अध्यक्ष चौधरी तपेश जैन,प्रमेंद्र जैन, शरद चौरडिया, सुबोध पाटनी, डॉ राजीव जैन, राजीव पोद्दार, अरविंद जैन, निर्मल जैन, अरुण जैन, रिंकू जैन, प्रोविंस जैन,जितेंद्र जायसवाल, श्रीमती रश्मि जैन, श्रीमती निर्मला जैन,श्रीमती माया जैन, पूर्व पार्षद सुषमा जैन आदि उपस्थित रहे।

रिपोर्ट मीडिया प्रभारी शुभम जैन

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में दस दिवसीय महार्चना का हुआ आगाज, जिला प्रमुख सरोज बंसल द्वारा हुआ ध्वजारोहण

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी के तत्वावधान में दस दिवसीय महार्चना एवं विश्वशांति महायज्ञ जाप्यानुष्ठान का आगाज ध्वजारोहण के साथ हुआ । टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल द्वारा ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई । प्रातःकालीन अभिषेक , शान्तिधारा करने का सौभाग्य अजित जैन मालवीय नगर जयपुर , पवन जैन हिंडोली , परेश जैन जयपुर एवं सुनील जैन मालपुरा ने प्राप्त किया । महार्चना के प्रारंभिक दिन में श्री जिन सहस्त्रनाम महार्चना की शान्तिधारा पूर्वक आराधना की गई । दोपहर 12 बजे से श्री श्री कल्याण मंदिर महार्चना करने का सौभाग्य पुण्यार्जक श्रमणास्था परिवार कोटा को मिला । प्रतिष्ठाचार्य विमल बनेठा एवं संगीतकार सोनू जैन के साथ साजों - बाजों के साथ भक्तों ने भक्ति का आनंद लिया । भगवान जिनेंद्र की ऐसी अनोखी आराधना को देखने भक्तों का मेला लगा था। गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने भक्ति का फल बताते हुए प्रवचन में कहा कि भगवान जिनेंद्र की भक्ति साक्षात मनोवांछित फल को देने वाली है। भक्ति ही मुक्ति का सोपान है। प्रवचन के पश्चात माताजी के पाद - प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात गुरु माँ के मुखारविंद से विश्वशांति हेतु शांतिमंत्र का जाप्यानुष्ठान निर्विघ्न सम्पन्न हुआ। आगामी 16 अक्टूबर 2023 को श्री नवग्रह महार्चना का आयोजन होने जा रहा है ।

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव-2023 का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना व झंडारोहण से शाही लवाजमे के साथ निकली श्री अग्रसेन महाराज की शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रसेन जयंती के अवसर पर अग्रवाल समाज के प्रर्वतक महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा श्री अग्रवाल समाज समिति के बैनर तले रविवार को शाह लवाजमें के साथ निकाली गई। बैंडबाजे,घोड़े व बग्गियों के साथ निकली इस शोभायात्रा में 18 राजकुमारों के गोत्र की झांकिया, बाबा श्याम सहित सजी झांकियों को लोग एकटक निहारते रहे। इस दौरान गूंज रहे महाराजा अग्रसेन के जयकारो ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शोभायात्रा में 20 हजार से अधिक अग्रबंधुओं ने षिरकत की। महोत्सव के मुख्य संयोजक व प्रभारी उपाध्यक्ष पवन गोयल होटल सफारी वालों ने बताया कि जयंती महोत्सव का शुभारंभ रविवार को श्री अग्रवाल समाज समिति समिति के कार्यालय पर ध्वजारोहण समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला व विधायक कालीचरण सराफ ने किया। इसके बाद श्री अग्रसेन मंदिर में पूजा-अर्चना व आरती की गई। प्रभारी उपाध्यक्ष सुनील मित्तल व कोषाध्यक्ष प्रहलाद राय दादियावाले ने बताया कि इसी दिन शाम को महाराजा अग्रसेन की शोभायात्रा चांदपोल बाजार के श्री अग्रवाल सेवा सदन से भव्य लवाजमें के साथ रवाना हुई। शोभायात्रा को विभिन्न मंदिरों के रेवासाधाम के श्रीराघवाचार्य, ब्रह्मपीठाधीष्वर श्रीरामरतन जी, कनक बिहारी मंदिर के श्री सियाराम दास जी महाराज, ढेहर के बालाजी के हरिशकर दास

वेदांती, सरस निकुंज के श्री अलबेली माधुरी शरण जी,श्री काले हनुमान मंदिर के महंत गोपाल दास जी महाराज, जी,महामंडलेश्वर बालमुकुंदाचार्य, सांगानेर के कमलेश जी महाराज, काले हनुमान जी के मनोहर दासजी, घाट के बालाजी के सुरेशाचार्य व श्री अग्रवाल समाज समिति समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश भाड़ेवाला आदि समाजबंधुओं ने आरती उतारकर रवाना किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मुख्य अतिथि विधायक कालीचरण सराफ,अति विशिष्ठ अतिथि रीको के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, उद्योगपति व समाजसेवी महेश अग्रवाल व समारोह अध्यक्ष बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के लि. के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल व समारोह के विशिष्ठ अतिथि उद्योगपति चन्द्र प्रकाश राणा एमएस बांधनीवाले,गोयल प्रोटीन लि.के डायेक्टर पंकज गोयल,उद्योग प्रकोष्ठ भाजपा राजस्थान के प्रदेश संयोजक रघुनाथ नरेड़ी,सीए हिमांशू गोयल, प्रमुख समाजसेवी संजय पतंगवाले, प्रमुख व्यवसायी मोहन अग्रवाल मुकेश टेंट व प्रमुख समाजसेवी नरेश अग्रवाल आदि ने पूजा-अर्चना की। महोत्सव के मुख्य समन्वयक अशोक गर्ग व शोभायात्रा के संयोजक रमेश चन्द डेरेवाला ने बताया कि बैंडबाजे व भव्य लवाजमें के साथ निकलने वाली इस शोभायात्रा में मुख्य झांकी महाराजा अग्रसेन की रही। इसके बाद श्याम बाबा का दरबार,राणी सती की झांकी,बजरंगबली की झांकी, दुर्गा माता,भगवान विष्णु-लक्ष्मी की सहित अन्य झांकियां ने शोभायात्रा की शोभा बढा थी। इस दौरान महाराजा अग्रसेन के 18 राजकुमारों के गोत्रों की झांकी ने सभी का ध्यान खींचा। उन्होंने बताया कि मार्ग में बजरंग व्यायाम शाला के अखाड़ेबाज करतब करते चल रहे थे। इस दौरान संत-महंत बग्गियों में चल रहे थे। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल 7 बैंड भजनों की स्वर लहरियों से वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे। उन्होंने बताया कि विभिन्न मंदिरों के संत-महंत व्यापारी गण,सामाजिक व राजनैतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने आरती उतार स्वागत किया। इस दौरान जगह-जगह आतिशबाजी की गई। इस दौरान समाजबंधु एक ही वेशभूषा में चलेंगें। इस दौरान मार्ग में सरकार के मंत्री महेश जोशी व प्रताप सिह खाचरियावास, सांसद व विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की उम्मीदवार दिया कुमारी, देवस्थान विभाग की मंत्री शकुंतला रावत सहित अन्य लोग आरती उतारकर शोभायात्रा का स्वागत किया।

श्री लक्ष्मीनारायण में गूंजी बालकांड की 120 चौपाइयां

जयपुर. शाबाश इंडिया। नवरात्रा के अवसर पर 26 वांनव दिवसीय श्रीराम चरित्र नवान्ह पारायण पाठ महोत्सव रविवार से नेहरु नगर,पानी पेंच स्थित मंदिर श्री लक्ष्मीनारायण में शुरू हुए। इस दौरान बालकांड की 120 चौपाइयों से पाठ हुए। इस दौरान मंदिर प्रांगण भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। मंडल के मोहन लाल अग्रवाल ने बताया कि आयोजन के प्रथम दिन व्यासपीठ से रामस्वरूप नाटाणी` रामचरित्र मानस में बालकांड की 120 चौपाइयों के पाठ किए। तीन तक चले इस आयोजन में 251 आसनों से बालकांड की 120 चौपाइयां गूंजती रही। इस मौके पर चौपाई के प्रसंगानुसार आकर्षक झांकी भी सजाई गई। नौ दिन तक पाठ रोजाना शाम 6 बजे से होंगे।